प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 28 अप्रैल, 2017 को लखनऊ की स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञों की शाखा के द्वारा एक North Zone Yuva FOGSI सम्मेलन का आयोजन किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया। सम्मेलन का उद्घाटन मानीनय उप मुख्यमंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा जी के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। इस संगोष्ठी में देश–विदेश के लगभग एक हजार प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ तथा वैज्ञानिक भाग ले रहें है। तीन दिवसीय इस सम्मेलन ने देश–विदेश के प्रतिष्ठित प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञों को अपने अनुभव साझा करने का एक मंच प्रदान किया है।

संगोष्ठी का आरम्भ 5 विभिन्न कार्यशालाओं द्वारा किया गया। जिसमें किशोरवस्था की ज्वलन्त समस्याओं पर विशेष प्रकाश डाला गया।

इस गोष्ठी के अधीन चिकित्सा विश्वविद्यालय के कलॉम सेण्टर में 'अंतरग्रहण प्रविष्टि' (Intrauterine Insertion) पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला चिकित्सा विश्वविद्यालय के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग द्वारा किया गया। इस कार्यशाला का शुभारम्भ चिकित्सा विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट जी के कर कमलों द्वारा सम्पन्न किया गया।

कार्यक्रम में प्रो0 भट्ट ने कहा कि ये बड़े ही गर्व की बात है कि चिकित्सा विश्वविद्यालय में इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन होता रहता है। किसी भी संस्थान की उन्नती मे इस तरह के कार्यक्रम, सम्मेलन, व्याख्यान का एक अहम महत्व होता है। इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन से विशेषज्ञों की राय जानने का और उससे सिखने का सुनहरा अवसर एक ही मंच पे प्राप्त होता है।

कार्यशाला में चिकित्सा विश्वविद्यालय की स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की प्रो0 अमिता पाण्डेय ने बताया कि इंट्रायूटेराइन इन्सर्सन द्वारा बांझपन का उपचार किया जाता है। कभी–कभी महिलाओ में सबकुछ ठिक होने के बावजूद भी वो गर्भधारण नही कर पाती है। जिसको हम अज्ञात बांझपन कहते है। या कभी–कभी सर्वाइकल फैक्टर में प्राब्लम होती है या पती का वीर्य कभी–कभी अव–समान्य होता है और गर्भधारण नही हो पाता है तो उसका एक बहुत ही किफायती उपचार हैं। चूँकि सभी लोगो के लिए टेस्ट ट्यूब बच्चे के लिए प्रयास कर पाना मुश्किल होता है। इस विधि मे हम पति के वीर्य को तैयार करते है, उसकी सारी डेब्रीज और प्लास्मा को कंसन्ट्रेट कर देते हैं और उसको हम औरत के गर्भाशय में उस समय प्रवेश कराते है जब औरत का अण्डाफुट रहा होता है या फुटने के स्थिति मे हो जिसमे बहुत सारे फर्टीलाइजर स्पर्म होते है जिससे गर्भधारण करने के चांसेज बढ़ जाते है। 100 महिलाओं को प्रेग्नेंसी की दवा के साथ आईयूआई करने पर गर्भधारण करने का प्रतिशत 17 से 20 प्रतिशत होता है।

कार्यक्रम में प्रो0 अंजु अग्रवाल ने बताया कि हम लोग यह चाहते है कि इसका प्रसार सम्पूर्ण देश में हो। यह बहुत ही साधारण तरीका है जिसे छोटी क्लिनिक में किया जा सकता है। इस कार्यशाला में यह प्रक्रिया व्यावहारिक व क्रियाशील करके दिखाएंगे कि कैसे हम वीर्य को तैयार कर कैसे आईयूआई सम्पन्न करते है। इसके लिए हम इस कार्यशाला में प्रशिक्षण भी प्रदान करेंगें, जिससे स्त्री रोग विशेषज्ञों को भरोसा आए की वो अपनी–अपनी क्लिनिक मे इसे शुरू कर सके।

इसके अतिरिक्त किशोर स्वास्थ्य की कार्यशाला में युवतियों मे होने वाले बहुत सारी समस्याओं जैसे किशोरा अवस्था की समस्या, मासिक धर्म, साइकोलॉजी के विषय मे विचार विमर्श किया गया।

लेबर की कार्यशाला में प्रसूताओं को डिलिवरी के दौरान होने वाली समस्याओं पर चर्चा की गयी। लेबर रूम में नार्मल डिलिवरी के समय क्या–क्या समस्या होती है, डिलिवरी के प्रोसिजर, कैसे डिलवरी नार्मल करानी चाहिए, बच्चा उल्टा है तो क्या करना चाहिए, ब्लिडिंग ज्यादा होने लगे तो क्या करना चाहिए आदि समस्याओं के बारे में बताया गया।

यूरोलॉजे की कार्यशाला में यूरीनरी ब्लैडर से सम्बंधीत समस्याओं के बारे में गाईनी सर्जरी की कार्यशाला में लैप्रोस्कोपी सर्जरी का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

इसके अतिरिक्त आज रोगी कल्याण सेवाओं में राहत प्रदान करने के दृष्टिगत केजीएमयू के प्रमुख प्रशसनिक भवन स्थित बोर्ड रूम में किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के हास्पीटल एडवाईजरी कमेटी की बैठक आहूत हुई, जिसमें समिति के सभी सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से विश्वविद्यालय में रोगी हित में संचालित की जा रही विभिन्न सुविधाओं के शुल्क को पुनरीक्षित किये जाने का निर्णय लिया गया है। इससे विश्वविद्यालय में उपचार हेतु आने वाले गरीब मरीजों को पूर्व की अपेक्षा अब काफी कम शुल्क देना होगा।